डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, जोहानिन थियोलॉजी, सत्र 14, पवित्र आत्मा, भाग 2

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा जोहानिन थियोलॉजी पर दिए गए उनके व्याख्यान हैं। यह सत्र 14, पवित्र आत्मा, भाग 2 है।

हम जोहानिन थियोलॉजी पर चर्चा जारी रखते हैं।

हम पवित्र आत्मा के विषय पर आ गए हैं। हमने देखा है कि कैसे उसे यीशु को दिया गया और कैसे आत्मा जीवन का स्रोत है। वास्तव में, त्रिदेव के सभी तीन व्यक्ति जीवन का स्रोत हैं।

यीशु कलीसिया को पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देंगे। मैं सिर्फ आयतों को फिर से पढ़ने जा रहा हूँ क्योंकि यूहन्ना ने खुद कहा, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला अर्थात्, 132, यूहन्ना ने गवाही दी, मैंने आत्मा को कबूतर की तरह स्वर्ग से उतरते देखा, और वह उस पर ठहर गया। मैं खुद उसे नहीं जानता था, लेकिन जिसने मुझे जल से बपतिस्मा देने के लिए भेजा, उसने मुझसे कहा, जिस पर तू आत्मा को उतरते और ठहरते देखे, वही पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देता है।

और मैंने देखा है और गवाही दी है कि यह परमेश्वर का पुत्र है। मसीहा को आत्मा प्राप्त होती है। यशायाह प्रभु के सेवक के कुछ अंशों में कहता है, मैं अपनी आत्मा उस पर डालूँगा और इसी तरह। मसीहा को अपने बपतिस्मा के समय आत्मा प्राप्त होती है ताकि वह, अच्छी तरह से, ईश्वर-मनुष्य के रूप में आत्मा की शक्ति में सेवा कर सके।

मैं यह भी पुष्टि कर रहा हूँ कि वह कुछ चमत्कार करता है। हम मसीह के व्यक्तित्व को विभाजित नहीं करते। मसीह के व्यक्तित्व ने आत्मा के द्वारा अपनी मानवता पर जोर देते हुए चमत्कार किए।

मसीह के व्यक्तित्व ने कभी-कभी ऐसे चमत्कार किए जो उसके ईश्वरत्व पर जोर देते थे। मसीहा ने अपने बपतिस्मा के समय आत्मा प्राप्त की, और वह आत्मा की शक्ति में सेवा कर सकता था, आत्मा को भेज सकता था, और आत्मा को कलीसिया को दे सकता था। सभी चार सुसमाचारों में, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने ऐसा कहा है।

जॉन द बैपटिस्ट, मसीहा, मुझे कहना चाहिए, किसी भी सुसमाचार में चर्च को पवित्र आत्मा से बपतिस्मा नहीं देता है। लूका की दो पुस्तकें, निश्चित रूप से, लूका और प्रेरितों के काम हैं। लूका के अंत में, फिर से, आपको यरूशलेम में उस शक्ति की प्रतीक्षा करनी है जो पिता आपको भेजेगा, ऊपर से शक्ति।

प्रेरितों के काम 1 में, यीशु ने यूहन्ना की भविष्यवाणी को याद किया; वह खुद भविष्यवाणी करता है, और अध्याय 2 में, वह पिनतेकुस्त पर आत्मा को उंडेलता है, जिससे योएल की भविष्यवाणी

उसी से जुड़ जाती है। यह एक प्रमुख मुक्ति-ऐतिहासिक घटना है। पवित्र आत्मा के साथ चर्च का बपतिस्मा यीशु का उतना ही कार्य है जितना कि उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान।

वह चर्च को आत्मा से बपतिस्मा देगा। वह मुक्तिदायी इतिहास के एक नए चरण का उद्घाटन करेगा, क्योंकि परमेश्वर का राज्य विस्फोटित होगा, और एक सप्ताह में यीशु में अधिक लोग विश्वास करने लगेंगे, जो कि उनके साढ़े तीन साल के पूरे सार्वजनिक मंत्रालय में भी नहीं हुआ था। नई सृष्टि का उद्घाटन सार्वजनिक रूप से किया जाता है।

ओह, यह यीशु का पुनरुत्थान है जो आधार है, लेकिन यहाँ, फिर से, नया जीवन स्वर्ग से आता है। और चर्च, परमेश्वर के नए नियम के लोग, पिन्तेकुस्त के दिन शक्तिशाली रूप से जन्म लेते हैं, क्योंकि मसीहा ने आत्मा को ठीक उसी तरह प्राप्त किया ताकि वह आत्मा दे सके। प्रेरितों के काम 1 में स्वर्गारोहण के बाद, उसने चर्च पर आत्मा उंडेली।

जॉन 7:37 से 39, पिन्तेकुस्त के पर्व पर, जल उंडेलने की रस्म थी, और यीशु ने खुद इसे पूरा किया। यीशु खड़े हो गए; मैं एक छोटी सी किताब से पढ़ रहा हूँ जो मैंने कई साल पहले लिखी थी, जॉन के सुसमाचार को जानना, इसके मुख्य विचारों पर एक नया नज़रिया, पृष्ठ 116। यीशु झोपड़ियों के पर्व के आखिरी और सबसे बड़े दिन खड़े होते हैं और लोगों को अपने पास आने और पीने के लिए आमंत्रित करते हैं 7:37।

जैसे-जैसे हम इस पर्व के रीति-रिवाजों के बारे में अधिक जागरूक होते जाएंगे, हम यीशु के शब्दों को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे। पर्व के पहले सात दिनों में भोर में, जल-उछालने का समारोह होता था। जुलूस का नेतृत्व करने वाले एक पुजारी ने सिलोम के कुंड से पानी निकाला, वही कुंड जिसमें अंधे व्यक्ति ने अपनी आँखें धोई थीं, एक सोने के घड़े से और मंदिर में वापस आ गया।

फिर मंदिर के गायक मंडली द्वारा भजन 113 से 118, हलल भजन, परमेश्वर की स्तुति में गाए जाने के दौरान वेदी के पश्चिमी भाग में एक फनल में पानी डाला गया। वास्तव में, पूरे समारोह का उद्देश्य पिछले वर्ष बारिश के उपहार के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देना और आने वाले वर्ष के लिए उसे प्रदान करने के लिए कहना था। यीशु इस तथ्य का उपयोग करते हैं कि झोपड़ियों के पर्व के आठवें और अंतिम दिन, पानी डालने का कोई समारोह नहीं था।

इस प्रकार, सारा ध्यान उस पर जाएगा जो कहता है, " यदि कोई प्यासा हो, तो मेरे पास आए और पीए। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है, जैसा कि शास्त्र में कहा गया है, उसके भीतर से जीवन के जल की धाराएँ बहेगी, यूहन्ना 7:37-38।" लोगों को पीने के लिए पानी उपलब्ध कराने का दावा करके, यीशु खुद को बारिश देने वाले परमेश्वर के स्थान पर रखता है।

इसके अलावा, प्रेरित यूहन्ना इस जल का अर्थ समझाता है जिसका उल्लेख यीशु ने किया है। इसके द्वारा, उसका मतलब उस आत्मा से था जिसे उन लोगों को प्राप्त करना था जो उस पर विश्वास करते थे। उस समय तक, आत्मा नहीं दी गई थी क्योंकि यीशु को अभी तक महिमा नहीं मिली थी।

यीशु परमेश्वर की आत्मा का जल है जिसे वह प्रेरितों के काम 2 में पिनतेकुस्त के दिन कलीसिया पर उंडेलेगा। हालाँकि, यीशु को पहले क्रूस पर चढ़ाया जाना चाहिए और फिर महिमामंडित किया जाना चाहिए, इससे पहले कि आत्मा को कलीसिया को नई परिपूर्णता और शक्ति में दिया जाए। जैसा कि यूहन्ना के सुसमाचार में प्रथागत है, लोगों की यीशु के शब्दों के प्रति विभाजित प्रतिक्रिया है। अध्याय 7 :40-44.

मैं ESV से पढ़कर सुनाता हूँ। मुझे नहीं लगता कि 1989 में कोई ESV था। 7:37.

पर्व के आखिरी दिन, यानी बड़े दिन, यीशु खड़ा हुआ और चिल्लाया। इसलिए, वह वैसा नहीं करता जैसा उसके भाई चाहते हैं। तुरंत ऊपर जाओ, बड़ा हंगामा करो, और खुद को गिरफ्तार करवाओ।

मुझे नहीं पता कि वे उस हिस्से को जानते थे या नहीं, लेकिन वे उसका मज़ाक उड़ा रहे थे। वे उस पर विश्वास नहीं करते थे। यूहन्ना 7 में यूहन्ना कहता है कि उसके अपने भाई उस पर विश्वास नहीं करते थे।

यूहन्ना 7:5, क्योंकि उसके अपने भाई भी उस पर विश्वास नहीं करते थे। अरे वाह!

वह चुपके से ऊपर गया, और उसने पर्व के अंतिम दिन यह सेवकाई की। यदि कोई प्यासा हो, तो मेरे पास आए और पिए। जो कोई मुझ पर विश्वास करता है, जैसा कि शास्त्र में कहा गया है, हमें यह समझने में परेशानी होती है कि यीशु किस बात का उल्लेख कर रहा है।

मैं अभी इस पर आगे नहीं बढ़ूंगा। अब यह, अब यह उसने आत्मा के बारे में कहा। मुझे खेद है।

जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्र शास्त्र में कहा गया है, उसके हृदय से जीवन जल की नदियाँ बह निकलेंगी। अब, उसने यह बात आत्मा के विषय में कही, जिसे उन पर विश्वास करने वालों को प्राप्त करना था। क्योंकि अभी तक आत्मा नहीं दी गई थी, क्योंकि यीशु अभी तक महिमावान नहीं हुआ था।

मैं इसका शाब्दिक अनुवाद करने जा रहा हूँ क्योंकि कुछ गंभीर व्याख्या की जानी है। इसका शाब्दिक अर्थ यह नहीं है कि इसका अर्थ अभी तक नहीं दिया गया है, लेकिन मैं इसे गड़बड़ाना नहीं चाहता। मैं इसे पढ़ना चाहता हूँ।

7:39, 7:39. किसी तरह, यह प्रेरितों के काम की पुस्तक में नहीं है। मैं इसे समझ नहीं पा रहा हूँ। आह, हाँ, यह बेहतर है।

प्रेरितों के काम की यह बात मुझे कभी-कभी आपको कठिन यूनानी भाषा में बतानी पड़ती है, खासकर तब जब आप नहीं जानते कि आप क्या कर रहे हैं। और यह बात उसने आत्मा के विषय में कही। जिसे विश्वास करने वाले लोग प्राप्त करने वाले थे।

जो लोग उस पर विश्वास करते थे, वे प्राप्त करने वाले थे। यूहन्ना 7:39. क्योंकि अभी तक आत्मा नहीं थी। अभी तक नहीं, क्योंकि यह पोस्ट-पॉजिटिव है। यह दूसरे स्थान पर है, मेरी कुछ पसंदीदा खेल टीमों की तरह।

क्योंकि आत्मा अभी तक नहीं दी गई थी क्योंकि यीशु अभी तक नहीं दिया गया था। ओह, मुझे माफ़ करें। क्योंकि आत्मा अभी तक नहीं दी गई थी।

इसमें लिखा है दिया गया। मेरी गलती। मेरी गलती।

अभी नहीं। अभी तक आत्मा नहीं दी गई क्योंकि यीशु को अभी तक नहीं दिया गया था, लेकिन महिमा दी गई थी। ठीक है, यह अच्छा है।

निश्चय ही, आत्मा इससे पहले भी अस्तित्व में थी। निश्चय ही, आत्मा ने इससे पहले भी सेवा की थी। हमने इसे यूहन्ना के सुसमाचार में देखा, और यही मामला था।

लेकिन पेंटेकोस्ट से पहले आत्मा नहीं दी गई थी जिस तरह से उसे पेंटेकोस्ट पर दी गई थी। अगर मैं जिन उत्पत्ति संबंधी टिप्पणियों का संदर्भ लेता हूँ, उनमें से कुछ सही हैं, तो पवित्र आत्मा उत्पत्ति 1:3 में सक्रिय थी, जो पानी के ऊपर मंडरा रही थी। मैं जानता हूँ कि यहूदी व्याख्याकार कभी-कभी असहमत होते हैं, लेकिन यह ठीक है।

और निश्चित रूप से, वह पुराने नियम में सक्रिय था। और फिर, जैसा कि मैंने पहले कहा, मैं नहीं समझ सकता कि जो लोग आध्यात्मिक रूप से मृत थे, उन्हें आत्मा की सेवकाई के बिना कैसे जीवित किया गया। मैं इस प्रकार समझता हूँ कि पुराने नियम के संतों का पुनर्जन्म हुआ था, और मैं यह नहीं समझ सकता कि वे आत्मा द्वारा प्रेरित हुए बिना परमेश्वर को कैसे जान सकते थे।

लेकिन यहाँ मुद्दा यह है। मेरा मानना है कि आत्मा ने वे कार्य किए, लेकिन उन पर ध्यान नहीं दिया गया। आत्मा को कोई शिक्षा नहीं दी गई क्योंकि जैसा कि मैंने पहले कहा, त्रिएकत्व का ईसाई सिद्धांत मुक्तिदायी इतिहास का परिणाम है।

ईश्वर हमेशा से ही पवित्र त्रित्व रहा है, लेकिन हम समझते हैं कि एक द्वित्व भी है, कम से कम सैद्धांतिक रूप से, हम पीछे देखते हैं, हमने अवतार पर देखा जब ईश्वर का पुत्र जो पिता के साथ था, ईश्वर के साथ था, और ईश्वर था, देहधारी हुआ, यूहन्ना 1, 1 और 14। ईश्वर हमेशा से ही त्रित्व रहा है, लेकिन हम आत्मा की भूमिका को समझते हैं। वास्तव में, यह पिन्तेकुस्त में नहीं हुआ, लेकिन पीछे देखने पर, चर्च ने इसे तब समझा जब आत्मा पिन्तेकुस्त में नएपन और शक्ति के साथ आई।

यीशु पवित्र आत्मा के साथ चर्च को बपतिस्मा देंगे। सुसमाचारों, विशेष रूप से लूका के अनुसार, यह मसीहा का अधूरा कार्य है। न केवल लूका ने मैथ्यू और मार्क के रूप में जॉन द बैपटिस्ट की भविष्यवाणी दी है, मैं पानी से बपतिस्मा देता हूँ, मसीहा आत्मा से बपतिस्मा देने जा रहा है, बल्कि लूका ने प्रेरितों के काम 1 के लिए लूका 24 में हमें यह कहकर स्थापित किया है, यरूशलेम में तब तक प्रतीक्षा करें जब तक पिता आपको ऊपर से शक्ति न दे।

यीशु ने यूहन्ना की भविष्यवाणी दोहराई, अपनी भविष्यवाणी जोड़ी, और लूका, प्रेरितों के काम 1 और प्रेरितों के काम 2 में स्वर्गारोहण किया; धमाका, एक ध्वनि और प्रकाश शो। आत्मा अदृश्य है, लेकिन जब वह एक पक्षी के रूप में प्रकट हुआ और यीशु पर विश्राम किया, तो परमेश्वर ने ध्वनियाँ, तेज़ हवाएँ और आग की लपटें दीं। मैं एक कार वितरक, प्रेरितों के स्पार्क प्लग के बारे में सोचता हूँ।

उसने कहा कि उसने आवाज़ लगाई और दिखाया कि आत्मा अद्भुत नवीनता और शक्ति के साथ आई थी। और हालाँकि वे इसे अभी तक नहीं समझ पाए थे, प्रेरितों के काम 1:8, जो पहले था, मैं जा रहा हूँ, जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा, तो तुम मेरे गवाह होगे, यहूदिया, सामरिया और पृथ्वी के छोर तक। वे यह नहीं समझ पाए कि इसका मतलब यह था कि गैर-यहूदियों को चर्च में शामिल किया जा रहा था।

पुराने नियम में इसकी भविष्यवाणी की गई थी, लेकिन उन्हें अभी तक यह नहीं मिला। यीशु कलीसिया को पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देंगे। हम इसे यूहन्ना के सुसमाचार के अध्याय 20 में भी देखते हैं।

यह जॉन का तथाकथित महान आदेश है। यह मत्ती 28, प्रसिद्ध 19 और 20 में है। यह लूका 24 में है और यह एक अलग रूप में है।

और इस पर बहस भी है। मैंने एक बार ईटीएस में एक पेंटेकोस्टल धर्मशास्त्री के बारे में सुना था; मैकडॉनल्ड शायद अंतिम नाम है। मेरा मानना है कि वह उस समय गॉर्डन कॉनवेल सेमिनरी में पढ़ाते थे और एक योग्य विद्वान और इंजीलवादी थे।

इसमें कोई संदेह नहीं था। उसने सोचा कि यह कुछ खास बात है और पिन्तेकुस्त से अलग है। खैर, मैं इससे सहमत नहीं हूँ।

और इसी तरह इंजील विद्वानों की महान आम सहमति है। यूहन्ना 20:19. उस दिन, सप्ताह के पहले दिन की शाम को, जब यहूदियों के डर से शिष्यों के द्वार बंद थे, यीशु उनके बीच में आकर खड़ा हो गया और उनसे कहा, तुम्हें शांति मिले।

जब उसने कहा कि उसने यह कहा है, तो उसने उन्हें अपने हाथ और अपनी पसली दिखाई। तब, शिष्यों ने प्रभु को देखकर खुशी मनाई; यीशु ने उनसे फिर कहा, शांति तुम्हारे साथ रहे। यह कोई अपरिचित अभिवादन नहीं है, लेकिन अब जब उनका पुनर्जीवित स्वामी उनसे बात कर रहा है, तो इसका विशेष अर्थ है।

जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूँ। यीशु ने कितनी बार कहा कि पिता ने उसे भेजा है? यूहन्ना के सुसमाचार में कई बार। अब वह 17 में भी कुछ ऐसा ही कहता है।

वह उन्हें अपनी सेवकाई जारी रखने के लिए भेज रहा है, लेकिन उन्हें इसके लिए प्रावधान की आवश्यकता है। और जब उसने ऐसा कहा, तो उसने उन पर साँस फूँकी और कहा, पवित्र आत्मा

ग्रहण करो, आदम के नथुने में साँस लेने की याद दिलाते हुए, उत्पत्ति एक में जीवन की साँस। यीशु ने प्रेरितों में नई सृष्टि की साँस फूँकी, उन्हें सुसमाचार का प्रचार करने के लिए सुसज्जित किया।

मुझे लगता है कि यह एक भविष्यसूचक कार्य है जो भविष्यसूचक शब्दों के साथ मिलकर पेंटेकोस्ट की भविष्यवाणी करता है। और फिर से, इसे यूहन्ना का महान आदेश कहा गया है, पवित्र आत्मा प्राप्त करें। यदि आप किसी के पापों को क्षमा करते हैं, तो वे क्षमा हो जाते हैं।

यदि आप किसी को क्षमा करने से रोकते हैं, तो उसे क्षमा कर दिया जाता है। संभवतः, उन्हें भेजने में उन्हें एक ऐसे शब्द के साथ भेजना शामिल है जो यूहन्ना 17 को भी दर्शाता है। और जब आत्मा वचन के माध्यम से काम करती है, तो लोगों के पापों को क्षमा कर दिया जाता है और सुसमाचार के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया के आधार पर उन्हें बरकरार रखा जाता है।

जब यीशु कलीसिया को पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देता है, तो जब हम उसके उद्धार कार्य पर विचार करते हैं, तो पिन्तेकुस्त को न भूलें। हाँ, ज़रूर।

अगर मुझे कोई एक घटना चुननी पड़े, तो मैं ऐसा करना पसंद नहीं करूँगा, लेकिन वह उसकी मृत्यु होगी। मृत्यु और पुनरुत्थान एक साथ हैं, और उनका एक साथ होना ज़रूरी है, और वे दोनों ही बिल्कुल ज़रूरी हैं। उनके बिना कोई मोक्ष नहीं है। उसके मरने और फिर से न उठने का विचार सिर्फ़ झूठ है।

यह असंभव है, लेकिन एक घटना, क्रूस, मैं मृत्यु और पुनरुत्थान के लिए एक को चुनना नहीं चाहता। फिर भी, उद्धार के कार्य में इस सब के लिए पूर्व शर्त के रूप में उसका अवतार, उसकी पूर्व शर्त के रूप में उसका पाप रहित जीवन, साथ ही उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान शामिल है। उसके पुनरुत्थान के बाद, उसके उद्धार के कार्य में उसका पिता के पास चढ़ना और आत्मा को उंडेलना शामिल है जैसा कि उसे पहले कभी नहीं दिया गया था।

यह इतना खास क्यों है? उद्धारक आ चुका है। उद्धारक ने अपना क्रूस का काम पूरा कर लिया है और कब्र से उठ चुका है। उद्धारक परमेश्वर के दाहिने हाथ पर है।

और अब उद्धारक प्रेरितों के संदेश में, उनके शब्दों और कार्यों में मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान को प्रभावी बनाने के लिए आत्मा को उंडेलता है ताकि दुनिया को मुक्ति मिले। पिन्तेकुस्त ईसाई जीवन के लिए आदर्श नहीं है। यह एक बार की मुक्ति-ऐतिहासिक घटना है जो दोहराई नहीं जा सकती, जैसे कि प्रभु यीशु मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान।

चर्च को आत्मा देना, नई सृष्टि का उद्घाटन करना, नए को पूरा करना, नई वाचा का विस्तार करना, और चर्च को परमेश्वर के नए नियम के लोगों के रूप में नामित करना। पवित्र आत्मा यीशु को दी गई थी। यह पहले से ही संकेतों की पुस्तक में जीवन का स्रोत था।

संकेतों की उसी पुस्तक में, हमें बताया गया है कि वह 2021 से 23 तक की पुस्तक या महिमा की पुस्तक के अंत में चर्च को पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा। यीशु ने भी यही भविष्यवाणी की है। अब हम महिमा की पुस्तक में विदाई प्रवचनों में देखते हैं कि पिता और पुत्र आत्मा भेजेंगे।

आत्मा पिता और पुत्र द्वारा भेजी जाएगी। यह शिक्षा यूहन्ना के सुसमाचार के लिए अद्वितीय है। और यह वास्तव में अद्भुत है।

14:16, और 17:15. हाँ, 14:15. यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे।

यह दस आज्ञाओं की तरह है। परमेश्वर उन लोगों की हज़ारों पीढ़ियों पर दया दिखाता है जो उससे प्रेम करते हैं और मेरी आज्ञाओं का पालन करते हैं। और मैं पिता से पूछूँगा और वह तुम्हें एक और कठिन अनुवाद करने वाला पैराक्लेटोस देगा।

अनुवाद करना बहुत कठिन है। पैराक्लीट, सहायक, दिलासा देनेवाला। यही शब्द 1 यूहन्ना 2.2 में भी आता है। हमारे पास पिता, यीशु मसीह, जो धर्मी है, के साथ पैराक्लीट है।

1 यूहन्ना 2:1. पिता के पास हमारा एक वकील है, यीशु मसीह, जो धर्मी है। यह सही है। एक वकील।

इसका मतलब है बचाव पक्ष का वकील। पैराक्लेटोस का मतलब है बचाव पक्ष का वकील। हम बाद में जॉन 16, 8 से 11 में देखेंगे।

हम इसे इस भाग में देखेंगे। वह एक अभियोक्ता वकील है। आत्मा दुनिया को पाप, धार्मिकता और न्याय के बारे में दोषी ठहराने जा रही है।

इसलिए यह कठिन है। जो मदद करने के लिए साथ आता है, सहायक, सांत्वना देने वाला। यह जानना कठिन है।

व्यक्तिगत संदर्भ के अनुसार चलना और उसके साथ काम करने की कोशिश करना सबसे अच्छा है। मैं पिता से प्रार्थना करूँगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा जो हमेशा तुम्हारे साथ रहेगा। आत्मा के काम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा परमेश्वर के लोगों के साथ उसकी उपस्थिति है।

हम कुल मिलाकर देखेंगे कि आत्मा यीशु का दूसरा रूप है। वह एक और पैराक्लेटोस है। वह यीशु की जगह लेता है।

और यीशु ने धरती पर जो सेवकाई की, अब जब वह स्वर्ग में है और कलीसिया पर अपनी आत्मा उंडेल रहा है, तो यह निश्चित रूप से भविष्यसूचक है। आत्मा कार्य करती है। आत्मा कार्य करती है।

मार्क कहते हैं कि यीशु ने 12 शिष्यों को चुना और वह उनके साथ हो सकता है। आत्मा हमेशा तुम्हारे साथ रहेगी। मैं तुम्हें अकेला नहीं छोड़ूँगा।

मैं वास्तव में आत्मा के व्यक्तित्व में आपके पास आने वाला हूँ। इस तरह यीशु और आत्मा जुड़े हुए हैं। और 1 कुरिन्थियों 15 में, पौलुस महिमावान मसीह की पहचान आत्मा से करता हुआ प्रतीत होता है, न कि सत्तामूलक रूप से, न ही पुत्र और आत्मा के अलग-अलग व्यक्तित्व को नकारते हुए, बल्कि कार्यात्मक रूप से।

मैं तुम्हें एक और सहायक दूंगा जो हमेशा तुम्हारे साथ रहेगा। सत्य की आत्मा भी, यीशु ही मार्ग, सत्य और जीवन है, 14:6। सात IM कथन, केवल तीन अर्थ, 14.6 में संक्षेपित। जब उसने कहा, मैं सत्य हूँ, तो इसका मतलब है कि वह ईश्वर का प्रकटकर्ता है। खैर, ईश्वर का प्रकटकर्ता पिता के पास वापस आ गया है।

और अंदाज़ा लगाइए क्या? वह आत्मा को भेजता है। इस मामले में, पिता आत्मा को न केवल शिष्यों के साथ रहने के लिए भेजता है, बल्कि वह सत्य की आत्मा है। वह पिता और पुत्र को प्रकट करना जारी रखेगा, जिसे दुनिया स्वीकार नहीं कर सकती क्योंकि वह न तो उसे देखती है और न ही उसे जानती है।

दुनिया पूरी तरह से अनुभववादी है। यह केवल वही मानती है जो वह देखती है। और दुर्भाग्य से दुनिया के लिए, जॉन 4, परमेश्वर एक आत्मा है।

और पवित्र आत्मा भी एक आत्मा है। तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है और तुम्हारे अंदर रहेगा। यहाँ, पिता आत्मा को भेजता है।

संदर्भ यह है कि ये शब्द उस व्यक्ति के मुंह से हैं जिसे पिता ने भेजा था। अब वह भेजेगा, जैसा कि हमने अभी यूहन्ना 20:21 से 23 में देखा, वह आत्मा को भेजेगा जैसा कि महान पुरोहितीय प्रार्थना में कहा गया है, मैं आत्मा को भेजने जा रहा हूँ। तो, आत्मा वह होगी जिसे यीशु का स्थान लेने के लिए भेजा जाता है, सत्य की आत्मा के रूप में शिष्यों के साथ रहना और शास्त्र को प्रकट करना।

ये कथन नए नियम की पूर्व-प्रमाणिकता हैं। और केवल इतना ही नहीं, बल्कि प्रेरितों के उपदेश की भी। संघर्ष करने वाले, अनाड़ी, दो कदम आगे, तीन कदम पीछे चलने वाले लोग परमेश्वर के महान प्रेरित बनते हैं, और वे चमत्कार करते हैं, और वे परमेश्वर के वचन का प्रचार करते हैं।

आप इसका हिसाब कैसे दे सकते हैं? पिनतेकुस्त। हे भगवान। आप उसे जानते हैं क्योंकि वह आपके साथ रहता है और आपके अंदर रहेगा।

आत्मा उनमें वास करेगी। चाहे यह पुराने नियम की वास्तविकता हो या न हो, मुझे लगता है कि यह थी। मैं आत्मा द्वारा नए जीवन और आत्मा की उपस्थिति के अलावा उद्धार की कल्पना नहीं कर सकता। लेकिन यह पुराने नियम में उतनी स्पष्टता से नहीं सिखाया गया जितना कि नए नियम में; पेंटेकोस्ट की एक बड़ी उपलब्धि शिक्षण की स्पष्टता है।

यूहन्ना 14:25 और 26. ये बातें मैं ने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम से कहीं, परन्तु सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता, अर्थात् पिता आत्मा के रूप में भेजता है, मेरे नाम से भेजेगा। फिर से भेजने पर ध्यान दो।

वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा और तुम्हें स्मरण कराएगा। हे सहायक, हे पवित्र आत्मा, जो कुछ मैंने तुमसे कहा है, वह शांति है। मैं तुम्हें अपनी शांति देता हूँ।

मैं तुम्हें वैसा नहीं देता जैसा संसार देता है। क्या मैं तुम्हें देता हूँ? तुम्हारा मन भी व्याकुल न हो, बल्कि डरे।

मैं तुम्हारे साथ रहते हुए तुम्हें ये बातें सिखा रहा हूँ। मैं जाने वाला हूँ, लेकिन पिता व्यवस्था करने जा रहा है। वह पैराक्लेटोस, पैराक्लीट, पवित्र आत्मा को भेजने वाला है।

हम उनके नाम के महत्व को अनदेखा करते हैं। पवित्र पिता। यीशु यूहन्ना 17 में प्रार्थना करते हैं। दुष्टात्माएँ कहती हैं, परमेश्वर के पवित्र जन, क्या तुम हमें पीड़ा देने आए हो? त्रित्ववादी व्यक्ति इस अर्थ में पवित्र हैं कि वे बाकी चीज़ों से अलग हैं, वे सत्तामूलक रूप से अलग हैं, और वे पवित्र हैं जैसे परमेश्वर शुद्ध है, क्योंकि वे परमेश्वर हैं।

आत्मा एक शिक्षक बनने जा रही है। यीशु एक शिक्षक थे। वे प्रकटकर्ता थे।

वह यही करने जा रहा है। वह तुम्हें वह सब सिखाएगा जो तुम्हें अनंत जीवन और भक्ति से संबंधित जानने की आवश्यकता है। पहला पत्रस, दूसरा पत्रस, तीसरी आयत के आसपास, और वह वह सब याद दिलाएगा जो मैंने तुमसे कहा है।

इस प्रकार यीशु ने वादा किया कि आत्मा यीशु के बारे में प्रेरितों के संदेशों में सक्रिय होने जा रही है और निहितार्थ रूप से, अध्याय 15, 26 और 27 में यीशु के बारे में उनके लेखन में। शास्त्र की बात अवश्य पूरी होनी चाहिए। उन्होंने मुझसे अकारण घृणा की।

यह श्लोक 15, 25, 26 का अंत है। लेकिन जब सहायक आता है, तो वह फिर से है, पैराक्लेटोस जिसे मैं पिता की ओर से तुम्हारे पास भेजूंगा, इस प्रकार पिता और पुत्र और आत्मा को एक साथ रखूंगा। ओह, यह बहुत अर्थपूर्ण है।

पिता पुत्र को भेजता है, पिता और पुत्र आत्मा को भेजते हैं, और पिता और पुत्र और आत्मा शिष्यों को भेजते हैं। ओह, जब सहायक आएगा जिसे मैं पिता की ओर से तुम्हारे पास भेजूंगा, अर्थात् सत्य की आत्मा जो पिता से निकलती है, वह मेरे बारे में गवाही देगी। यूहन्ना के सुसमाचार में एक प्रमुख गवाह विषय है।

यूहन्ना ने यीशु के जीवन के अंत में उनके परीक्षणों का संक्षिप्त वर्णन किया है। विडम्बनापूर्ण और विनोदपूर्ण ढंग से, उन्होंने कैफा का मुंह बंद कर दिया और कहा, कैफा, जिसने पहले बात की थी। हाँ।

की भविष्यवाणी की। यह हास्यास्पद है। परीक्षणों को कम से कम किया गया है, लेकिन जैसा कि रेमंड ब्राउन ने हमें सिखाया है, यीशु अपने पूरे जीवन में परीक्षण में है।

कोस्टेनबर्गर इसे यीशु का ब्रह्मांडीय परीक्षण कहते हैं। और वह, और गवाह विषय इस बात में फिट बैठता है कि अध्याय पाँच में, यीशु कहते हैं, जॉन बैपटिस्ट मेरे बारे में गवाह हैं, मेरे पिता, मेरे बारे में गवाह हैं, मेरे संकेत, मेरे चमत्कार, मेरे बारे में गवाह हैं, पुराने नियम के लोग अध्याय आठ में मेरे बारे में गवाह हैं। यदि आप स्वयं के बारे में गवाही देते हैं, तो आपकी गवाही सत्य नहीं है।

खैर, अगर मैं खुद की गवाही देता हूँ, तो मेरी गवाही सच है, लेकिन मैं कभी भी पिता से स्वतंत्र होकर अपनी गवाही नहीं देता। पिता और मैं दोनों ही मेरी गवाही देते हैं। और फिर यहाँ 15 में, हमारे पास दो और गवाह हैं, आत्मा और शिष्य।

जब वह सहायक आएगा, जिसे मैं पिता की ओर से तुम्हारे पास भेजूँगा, अर्थात् सत्य का आत्मा जो पिता से निकलता है, वह मेरे विषय में गवाही देगा। और तुम भी गवाही दोगे, क्योंकि तुम शुरू से ही मेरे साथ रहे हो। याद है जब उन्होंने पाया कि जब उन्होंने अंत में प्रेरितों के काम 1 को नियुक्त किया, तो उन्होंने यहूदा को हटा दिया?

न केवल उस व्यक्ति को पुनरुत्थान का गवाह होना चाहिए, बल्कि उसे ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो यीशु को शुरू से जानता हो। यह महत्वपूर्ण है। इस तरह, वे कह सकते हैं, अरे, जिसे हम पहले से जानते थे, वह जीवित है, वैसे, पिता से आता है।

ईश्वरत्व के भीतर अनन्त जुलूस के बारे में कोई बात नहीं की गई है, ठीक वैसे ही जैसे एकलौता बेटा अनन्त जन्म के बारे में बात नहीं कर रहा है। जॉन के सुसमाचार में उन शब्दों को गलत समझा गया है।

चर्च के फादर ने उन्हें ऐसा ही समझा। वे सत्य सिखा रहे हैं। यानी बेटा ईश्वर है।

आत्मा ईश्वर है। उह, वे हमेशा से ईश्वर रहे हैं, और, वे सभी अकारण हैं लेकिन संबंधित हैं। और, उह, उह, मुझे यहाँ विषय पर बने रहने की आवश्यकता है।

मैं बस इतना कह रहा हूँ कि यह आत्मा की शाश्वत प्रेरणा का प्रमाण नहीं है। नहीं, यह आर्थिक है। यह अर्थव्यवस्था से संबंधित है।

यह मुक्तिदायी इतिहास से संबंधित है। पिता ने बेटे को भेजा, बेटा, इसलिए पिता से आगे बढ़ता है, पिता और बेटा बेटे को भेजते हैं। वह सत्य की आत्मा है।

वह पिता और पुत्र को प्रकट करता है, और वह गवाहों की पंक्ति में शामिल हो जाता है। पिता, पुत्र, आत्मा कार्य करती है। जॉन द बैपटिस्ट, ओल्ड टेस्टामेंट।

मुझे मेरी अन्य श्रेणी बताइए; मेरे पास सात गवाह हैं। आप कहते हैं कि यह काम नहीं करता। यह ठीक है।

यह ठीक है। मुझे सिर्फ सात और जॉन पसंद हैं। जॉन ने ही मुझे सात पसंद करना सिखाया था।

उह, 16, सात से 11 के बारे में क्या ख्याल है? यह मुश्किल है क्योंकि इसकी बहुत सारी व्याख्याएँ की गई हैं। मुझे सामान्य तौर पर इसका क्या मतलब है, यह पता है। मैं विवरणों में दा कार्सन का अनुसरण करता हूँ, और हर कोई इससे सहमत नहीं है, लेकिन यह ठीक है।

यही है। ओह, ठीक है। क्योंकि मैं मानता हूँ, अध्याय 16 के सात के लिए यह मुश्किल है।

मैं तुमसे सच कहता हूँ। मेरा चले जाना तुम्हारे लिए अच्छा है। अगर मैं नहीं चला गया तो प्लेटो का सहायक बराक तुम्हारे पास नहीं आएगा।

लेकिन अगर मैं जाऊँगा, तो मैं उसे तुम्हारे पास भेजूँगा। और जब वह आएगा, तो वह पाप और धार्मिकता और न्याय के बारे में दुनिया को दोषी ठहराएगा। आत्मा यहाँ अभियोक्ता वकील के रूप में काम करने जा रही है।

पहला यूहन्ना दो, एक यीशु मसीह। धर्मो हमारा अधिवक्ता है। पैराक्लेटोस।

वह हमारे बचाव पक्ष के वकील हैं। छोटे बच्चों। मैं ये बातें तुम्हें इसलिए लिख रहा हूँ ताकि तुम पाप न करो।

अगर कोई पाप करता है, तो हमारे पास एक वकील है। तो शैतान कहता है, क्या तुम मजाक कर रहे हो? भगवान, उस व्यक्ति के पापों को देखो। उसके पापों को देखो।

आपने उसे स्वीकार कर लिया। और हमारा वकील हमारी ओर से गवाही देता है। वह अपनी कलंक दिखाता है, अगर आप चाहें, और कहता है, मैं उससे प्यार करता हूँ।

मैंने खुद को उसे सौंप दिया है। तुम उसे छू नहीं सकते। वह यहाँ मेरी है।

इसका क्या मतलब है? वह दुनिया को दोषी ठहराएगा। आत्मा अभियोजन पक्ष के वकील के रूप में दुनिया को दोषी ठहराएगी। सामान्य तौर पर, मुझे पता है कि इसका क्या मतलब है।

वह दुनिया को पाप का दोषी ठहराने जा रहा है। अध्याय 17 में यीशु की जगह लेते हुए, दावत में जाओ। तुम जादूगर अपने कुछ जादू के करतब दिखाओ और तुम्हें कुछ महिमा मिलेगी।

बेटा, उसके अपने घर में भी ऐसा ही था। कम से कम वह सबसे बड़ा भाई तो था। और आप उसके सगे भाई नहीं हैं क्योंकि यूसुफ उनके उत्पादन में शामिल था लेकिन जेल में नहीं था।

फिर भी, हे मेरे अच्छे! उसका अपना भाई भी उस पर विश्वास न करे। यूहन्ना 7:5.

संसार मुझसे घृणा करता है। यीशु ने यहीं कहा, क्योंकि मैं गवाही देता हूँ कि जो कुछ वह करता है वह बुरा है। संसार तुमसे घृणा नहीं कर सकता।

ओह। उसका मतलब है कि तुम दुनिया के हो, मेरे भाइयों। मैं तुम्हें बताता हूँ, जॉन, उह, पहले कुरिन्थियों 15, पुनरुत्थान के बाद, यीशु अपने भाई, जेम्स के सामने प्रकट होता है।

वाह। मैं शर्त लगा सकता हूँ कि वहाँ कुछ गले मिलना, रोना, और शायद गाल पर कुछ पूर्वी चुंबन भी थे। वाह।

क्या आप इसकी कल्पना कर सकते हैं? वाह। शायद कुछ कबूलनामे भी होंगे। यह आश्चर्यजनक है।

वैसे भी, यीशु दुनिया का अपराधी था। सात, यूहन्ना सात, यूहन्ना अध्याय सात। वह पिता के पास जाता है।

अरे नहीं। अरे, आत्मा उसकी जगह ले लेती है। वह पाप, धार्मिकता और न्याय की दुनिया को मिला सकता है।

डीए कार्सन ने एक लेख में बताया है कि न्यू टेस्टामेंट के अध्ययन में, जैसा कि सेंट ल्यूक कहते हैं, कोई भी मामूली, कोई भी मामूली पत्रिका नहीं है। ठीक है। इसकी कई अलग-अलग व्याख्याएँ की गई हैं।

उनमें से ज्यादातर रूढ़िवाद की सीमा के भीतर थे। कोस्टेनबर्गर ने दिखाया है कि उनमें से सभी रूढ़िवाद की सीमा के भीतर नहीं थे। कुछ वाकई बहुत अजीबोगरीब हैं, लेकिन यहाँ कार्सन का अनुमान है।

वह कहते हैं कि मुझे लगता है कि जॉन चाहते हैं कि हम समझें कि इनका क्या मतलब है। और यह स्पष्ट है कि सबसे पहले वह दुनिया को पाप के बारे में दोषी ठहराएंगे। यही वह पाप है जो दुनिया करती है।

इसमें कोई संदेह नहीं है। हर कोई इससे सहमत है। कारण संबंधी खंड की व्याख्या हमें करनी है, लेकिन कार्सन कहते हैं, आइए इसे धार्मिकता और न्याय के साथ आजमाएँ, जो कि दुनिया में भी होता है।

तो, संसार पाप का कर्ता है। संसार धार्मिकता का कर्ता है, जो आत्म-धार्मिकता बन जाता है। संसार न्याय का कर्ता है, जो आध्यात्मिक वास्तविकता का मिथ्या न्याय बन जाता है।

यह कारगर है। इसमें निरंतरता है। मुझे अच्छे लोग पसंद हैं जो असहमत होते हैं।

मैं इसे आस्था का विषय नहीं बनाऊंगा। चर्च में शामिल होने या नियुक्त होने के लिए आपको विश्वास करना होगा। ठीक है।

इस पर बहस होती है। यह तो पक्का है। चलिए इसे इसी तरह से समझते हैं।

वह दुनिया को पाप के बारे में दोषी ठहराएगा क्योंकि वे मुझ पर विश्वास नहीं करते। इसका मतलब है कि परमेश्वर सबसे दयालु मानव पापी परमेश्वर और उसके मसीह से नफरत करते हैं। वे स्वाभाविक रूप से उस पर विश्वास नहीं करते हैं क्योंकि वे खुद पर छोड़ दिए जाते हैं।

वे अध्याय आठ में अपने पापों के लिए मरेंगे। तो, अंदाज़ा लगाइए क्या? बेटा शिष्यों को अनाथ नहीं छोड़ता। वह अपनी सेवकाई को आगे बढ़ाने के लिए आत्मा, अपने दूसरे व्यक्तित्व को भेजता है।

इनमें से एक था पापियों को दोषी ठहराना। यही एकमात्र तरीका है जिससे वे बच सकते हैं। उन्हें बुरी खबर सुननी होगी।

लूथर ने सुसमाचार की सराहना करने में सही किया। आत्मा आती है, और वह पाप के बारे में दुनिया को दोषी ठहराती है क्योंकि लोग स्वयं यीशु पर विश्वास नहीं करते हैं। वह धार्मिकता के बारे में दुनिया को दोषी ठहराती है।

अगर यह वास्तव में वही है जो वे करते हैं, तो यह आत्म-धार्मिकता है जिसका जॉन में कभी भी इस तरह से उपयोग नहीं किया गया। मैं मानता हूँ, लेकिन ऐसा लगता है कि यहाँ ऐसा ही हो रहा है। कार्सन ने मुझे आश्चर्य किया कि अगर वह गलत था, तो मैं भी गलत था।

मैं अच्छी संगति में हूँ। वैसे भी, हर कोई इस बात से सहमत नहीं है। यह तो पक्का है।

धार्मिकता के बारे में, क्योंकि मैं पिता के पास जा रहा हूँ, तुम मुझे फिर कभी नहीं देखोगे। जिसने सही दिया, जिसने परमेश्वर का प्रकटीकरण किया और आध्यात्मिक वास्तविकता की सही समझ दी। मैं अगला काम कर रहा हूँ।

वह व्यक्ति जो बार-बार आत्म-धार्मिकता के गुब्बारों को फुलाता था, अब नहीं रहा। आत्मा उसकी जगह ले लेगी। वह आत्म-धार्मिक पापियों को उनकी आत्म-धार्मिकता और परमेश्वर के पुत्र की धार्मिकता की आवश्यकता के बारे में समझाएगा।

वह दुनिया को न्याय के बारे में दोषी ठहराएगा, आध्यात्मिक वास्तविकता के उनके झूठे आकलन के बारे में। पापी अपने आप में प्रकाश की तलाश नहीं करते। वे प्रकाश से घृणा करते हैं।

वे प्रकाश को मिटाना चाहते हैं, अध्याय तीन। आध्यात्मिक चीज़ों के बारे में उनके झूठे निर्णय के बारे में, क्योंकि इस दुनिया के शासक का न्याय किया गया है, शैतान पराजित हुआ है। परमेश्वर विजेता है, लेकिन लोगों को चीज़ों को सही तरीके से देखने में मदद करने के लिए आत्मा की ज़रूरत है।

जब आत्मा काम करती है तो यह उल्लेखनीय है। यीशु बहुमूल्य मोती बन जाता है, या खेत में छिपा खजाना जिसके लिए व्यक्ति अपना सब कुछ दे देता है। अचानक, मैं कितना दो पैरों वाला गधा बन गया।

मैंने यीशु के नाम का गलत इस्तेमाल किया। मैंने यीशु के बारे में सोचा भी नहीं। और अब वह मेरे लिए दुनिया का सबसे कीमती इंसान है।

बहुत से लोगों ने इस तरह की बातें कही हैं। आप इसका क्या हिसाब देते हैं? पवित्र आत्मा ने उन्हें पाप, धार्मिकता और न्याय के बारे में दोषी ठहराया। इतना ही नहीं, बल्कि हम 13 से 15 के साथ निष्कर्ष निकालते हैं।

मुझे तुमसे बहुत सी बातें कहनी हैं, लेकिन तुम उन्हें अभी सहन नहीं कर सकते। जब सत्य की आत्मा आती है, तो हमने कितनी बार यह अभिव्यक्ति सुनी है? वह तुम्हें सारे सत्य में मार्गदर्शन करेगा। प्रेरित अपनी बातें नहीं सुना रहे हैं, और वे अपनी बातें नहीं लिख रहे हैं।

क्योंकि वह अपनी ओर से कुछ नहीं कहेगा। जो कुछ सुनेगा, वही कहेगा। और जो कुछ आनेवाला है, वह तुम्हें भविष्यकाल की बातें बताएगा।

वह मुझे महिमा देगा; यह आत्मा की भूमिका है विभिन्न मंत्रालयों के लिए जो आत्मा के मंत्रालय होने का दावा करते हैं: यीशु की महिमा करें। उनमें से कुछ को मैं टीवी पर देखता हूँ, और मैं उन्हें बर्दाश्त नहीं कर सकता; मैं उन्हें बंद कर देता हूँ; वे मनुष्यों की महिमा कर रहे हैं। और वह जो मेरा है उसे ले जाएगा और आपको बताएगा।

यह बिलकुल वैसा ही है जैसा यीशु ने किया था। उसने पिता का लिया और लोगों को दे दिया। अब, आत्मा यीशु का लिया और लोगों को दे देती है।

पिता के पास जो कुछ है वह मेरा है, इसलिए मैंने कहा कि वह जो मेरा है उसे लेकर तुम्हें बताएगा। यीशु ने पिता का क्या है, यह घोषित किया, आत्मा पिता और पुत्र का क्या है, यह घोषित करेगी। हर जगह त्रित्ववादी सद्भाव।

और अब हमारे पास वास्तव में आत्मा है, शुक्र है। पहले, संकेतों की पहली पुस्तक में, जैसा कि कोस्टेनबर्गर कहते हैं, यह आत्मा का एक बहुत ही सामान्य सिद्धांत है, जैसा कि सिनॉटिक्स में है। लेकिन अब विदाई प्रवचनों में, धमाका! आत्मा की शिक्षा पहले से ही दी गई है।

शिक्षण यह नहीं कह रहा है कि संचालन पूरी तरह से नया है, लेकिन शिक्षण परमेश्वर के वचन में पहले दी गई किसी भी चीज़ से अलग है। यह सिनॉटिक्स में नहीं पाया जाता है, लेकिन पॉल में अपने स्वयं के पॉलानिज़्म के साथ पाया जाता है। लेकिन यहाँ पवित्र आत्मा का एक अद्भुत सिद्धांत है।

हमारे अगले व्याख्यान में, हम आगे बढ़ेंगे और कलीसिया के विषय में यूहन्ना के सिद्धान्त के बारे में बात करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा जोहानिन थियोलॉजी पर दिया गया शिक्षण है। यह सत्र 14, पवित्र आत्मा, भाग 2 है।